सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को पेज: 7

'वाराणसी को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 318 | शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'आतंकवाद पर कोई दोहरा मापदंड नहीं', पीएम मोदी ने इजराइल से किया 'गाजा शांति पहल' का पुरजोर समर्थन

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इजराइल की संसद नेसेट को संबोधित करते हुए एक नया इतिहास रच दिया। वह इजराइली संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। अपने ओजस्वी भाषण में पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को दोहराया और गाजा शांति पहल को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रति एकजुटता का सशक्त संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद चाहे कहीं हो, यह हर जगह की शांति के लिए खतरा है। मोदी ने कहा कि इजराइल की तरह भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है और इसमें कोई दोहरा मापदंड नहीं

है। उन्होंने इस खतरे का मुकाबला करने के लिए निरंतर और समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री इजराइल की प्रतिनिधि सभा, नेसेट को संबोधित करने के कई घंटे पहले यहां पहुंचे। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजराइल के उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने उनका जोरदार स्वागत किया। मोदी ने कहा, मैं सात अक्टूबर (2023) को हमास द्वारा किए गए बर्बर आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति और उस परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिसकी दुनिया इस हमले में बिखर गई। उन्होंने कहा, हम आपकी पीड़ा को समझते हैं। हम आपके शोक में आपके साथ हैं। भारत इस समय और भविष्य में भी पूरी दृढ़ता के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। आतंकवाद को किसी भी तरह जायज नहीं ठहराया

मोदी ने कहा कि इजराइल की तरह भारत भी आतंकवाद....

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल के प्रति एकजुटता का सशक्त संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद चाहे कहीं हो, यह हर जगह की शांति के लिए खतरा है। मोदी ने कहा कि इजराइल की तरह भारत भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक सुसंगत और अडिग नीति अपनाता है

जा सकता। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का नेसेट में दिया गया पहला भाषण है और इस दौरान मोदी ने आतंकवाद से पूरी ताकत से लड़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और कई अन्य वरिष्ठ नेता और सांसद इस दौरान संसद में मौजूद रहे। उन्होंने कहा, भारत ने भी लंबे समय तक आतंकवाद का दर्द सहा है। हमें 26/11 मुंबई हमले और उनमें जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों की याद है, जिनमें इजराइली नागरिक भी शामिल थे। आपकी तरह, हमारी भी आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की एक दृढ़ और अटल नीति है और इसमें कोई दोहरा मापदंड नहीं है। उन्होंने कहा, आतंकवाद का उद्देश्य समाजों को अस्थिर करना, विकास को बाधित करना और विश्वास को कमजोर करना है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सतत और समन्वित वैश्विक कार्रवाई आवश्यक है, क्योंकि चाहे आतंकवाद कहीं हो, यह हर जगह शांति के लिए खतरा है। उन्होंने कहा, इसीलिए भारत उन सभी प्रयासों का समर्थन करता है जो स्थायी शांति और क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देते हैं। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया की बदलती परिस्थितियों पर भी विस्तार से चर्चा की और कुछ वर्ष पहले इजराइल के कई देशों के साथ अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, यह लंबे समय से अशांत रहे क्षेत्र के लिए नई उम्मीद का क्षण था। तब से परिस्थितियां काफी बदल गई हैं। राह और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है, फिर भी उस उम्मीद को बनाए रखना जरूरी है। वर्तमान संदर्भ में मोदी ने गाजा शांति पहल का स्पष्ट समर्थन किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित इस योजना को पूरे क्षेत्र के लिए
न्यायसंगत और स्थाई शांति की दिशा में निर्णायक मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

एनसीईआरटी विवाद । सुप्रीम कोर्ट का सख्त एक्शन, भाजपा सांसद बोले- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा 8 की एनसीईआरटी किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नामक चैप्टर शामिल किए जाने पर सख्त नाराजगी जताई है। कोर्ट ने शिक्षा विभाग के सचिव और एनसीआरटी के डायरेक्टर डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने पूछा है कि इस विवादित कंटेंट को तैयार करने वालों के खिलाफ अवमानना या अन्य कानूनी कार्रवाई क्यों न की जाए। बीजेपी सांसद और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने बताया कि कोर्ट इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहा है। कक्षा 8 की किताब पर लगा पूर्ण प्रतिबंध, अवमानना की चेतावनी भले ही एनसीईआरटी ने इस चैप्टर के लिए माफी मांग ली है, लेकिन चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने राहत देने से इनकार कर दिया है।

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों से बोले राहुल गांधी, कांग्रेस बनवाकर देगी 100 नए घर

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को साल 2024 में आए भीषण भूस्खलन के पीड़ितों के लिए एक बड़ी राहत योजना की शुरूआत की। उन्होंने पार्टी की ओर से बनाए जाने वाले 100 घरों का शिलान्यास किया। 1,100 स्क्वायर फीट के होंगे नए घर कांग्रेस द्वारा बनाए जा रहे ये घर 1,100 स्क्वायर फीट के होंगे, जिनमें से हर घर के लिए 8 सेंट जमीन दी गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि उनका पूरा परिवार उन लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है जिन्होंने इस त्रासदी में अपना सब कुछ खो दिया है। राहुल ने पीड़ितों के हौसले की तारीफ की राहुल गांधी ने पीड़ितों की

हिम्मत की सराहना करते हुए कहा, 'आपने बहुत कुछ खोया है, लेकिन अपना हौसला और दूसरों के प्रति हमदर्दी नहीं खोई।' उन्होंने घर बनाने की प्रक्रिया में हुई देरी का भी जिक्र किया और बताया कि जमीन की परमिशन और अन्य कागजी कार्रवाई के कारण समय लगा, लेकिन अब यह काम जल्द पूरा होगा। उन्होंने इस पहल को पीड़ितों के लिए प्यार और साथ का एक संदेश बताया। प्रियंका गांधी का भावनात्मक संदेश प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी पीड़ितों का दुख साझा करते हुए कहा कि उन्होंने उन लोगों की मुश्किलें देखी हैं जिन्होंने अपने परिजनों और खेतों को खो दिया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के सभी सांसदों ने गृह मंत्री से मिलकर इसे 'राष्ट्रीय आपदा' घोषित करने की मांग की थी और प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखा था। प्रियंका ने कहा कि हादसे के वक्त वह सांसद नहीं थीं, लेकिन अब वह इस क्षेत्र के लोगों के लिए एक बेटी और बहन की तरह हैं। उन्होंने इस बात की भी खुशी जताई कि सभी राजनीतिक दलों ने पुनर्वास के काम में मदद की है। आर्थिक सहायता का वितरण कार्यक्रम के दौरान राहुल और प्रियंका गांधी ने उन 40 दुकानदारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद भी बांटी, जिनकी दुकानें भूस्खलन में तबाह हो गई थीं। इस अवसर पर कांग्रेस और यूडीएफ के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

एनसीईआरटी विवाद पर से पीएम मोदी नाराज, कैबिनेट बैठक में जताई थी गहरी नाराजगी

नई दिल्ली एजेंसी: कक्षा 8वीं की एनसीईआरटी सोशल साइंस की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' विषय पर एक चैप्टर शामिल किए जाने के मामले ने बड़ा तूल पकड़ लिया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस विवाद पर अपनी गहरी नाराजगी जाहिर की थी। शिक्षा मंत्री ने जताया खेद विवाद बढ़ता देख केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी गहरा दुख जताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका का अपमान करने का सरकार का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, 'जो कुछ भी हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूं।' सुप्रीम कोर्ट की कड़ी कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस चैप्टर के प्रकाशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्कूल शिक्षा

विभाग के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने इस विवादित चैप्टर का मसौदा तैयार किया है, उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, वे अब यूजीसी या किसी भी मंत्रालय के साथ काम नहीं करेंगे। कोर्ट की तीखी टिप्पणी सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मीडिया के जरिए जो जवाब मिला है, उसमें माफी का एक शब्द भी नहीं है। जब सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि 32 किताबें बेची गई थीं जिन्हें वापस ले लिया गया है, तो चीफ जस्टिस ने इसे एक 'गहरी साजिश' बताया। सीजेआई ने कहा, 'यह जानबूझकर उठाया गया कदम लगता है ताकि पूरी टीचिंग कम्युनिटी, छात्र और अभिभावकों के बीच यह संदेश जाए कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है।' क्या है विवादित चैप्टर में? एनसीईआरटी की नई किताब के इस चैप्टर में न्यायपालिका की चुनौतियों का जिक्र किया गया है। इसमें लिखा गया है कि न्यायिक प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार मौजूद है, जिससे गरीबों के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो जाता है। अदालतों में केसों का भारी अंबार (बैकलॉग) और जजों की कमी एक बड़ी समस्या है। किताब के आंकड़ों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में 81,000, हाई कोर्ट में 62.40 लाख और जिला अदालतों में करीब 4.70 करोड़ केस लंबित हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले अमित शाह का हुंकार, 'भाजपा जीती तो हर घुसपैठिया होगा बाहर'

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करेगी और सत्ता में आने के बाद राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अररिया सीमांचल क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा जीतने जा रही है। नई सरकार बनने के बाद हम हर एक घुसपैठिये को बाहर करेंगे। गृह मंत्री ने कहा, घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया बिहार, खासकर सीमांचल क्षेत्र से शुरू होगी। हमने पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर जीता था। विरोधियों द्वारा हमारे एजेंडे की आलोचना किए जाने के बावजूद हमें

जनादेश मिला। शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और घुसपैठिये किसी क्षेत्र के जनसांख्यिकीय संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राशन पर निर्भर रहते हैं और आम लोगों के लिए निर्धारित अन्य लाभों का भी उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम ऐसे जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।ह्व शाह ने अपने संबोधन की शुरूआत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा, 1857 का विद्रोह ह्यभारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम तब माना गया, जब सावरकर ने इस विषय पर एक पुस्तक लिखकर इसे उसी रूप में स्थापित किया।

गाजा संकट के बीच मोदी की इजराइल यात्रा पर महबूबा मुफ्ती भड़कीं, कहा- पीएम को नेतनयाहू को गले नहीं लगाना चाहिए था

नई दिल्ली एजेंसी: पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री द्वारा इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मेलजोल और गर्मजोशी भरे संवाद पर आपत्ति जताई। अनंतनाग में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 1.4 अरब से अधिक लोगों के देश के प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री को अपने हर कूटनीतिक कदम के संदेश और प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। उनका कहना था कि गाजा की मौजूदा स्थिति ने वैश्विक समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींचा है और ऐसे समय में किसी भी तरह का सार्वजनिक प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग संकेत दे सकता है। महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि गाजा संघर्ष के दौरान नागरिकों की मौतों के लिए नेतन्याहू को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने उन्हें ह्लअंतरराष्ट्रीय अपराधीह्व तक करार दिया और दावा किया कि कुछ देशों में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की संभावना हो सकती है। हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश या कानूनी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं किया, लेकिन उनका संकेत अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार के मुद्दों की ओर था। उन्होंने कहा, ह्लप्रधानमंत्री को ऐसे नेताओं को गले लगाते हुए नहीं देखा जाना चाहिए।ह्व मुफ्ती ने यह भी जोड़ा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से वैश्विक मामलों में नैतिक रुख अपनाया है और शांति व न्याय के पक्ष में अपनी स्पष्ट स्थिति रखी है। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति को उसी परंपरा के अनुरूप होना चाहिए। पीडीपी अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से अपनी कूटनीतिक नीति की समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति को उसके घोषित

बिहार में राज्य सभा का बिगड़ा गणित, तेजस्वी यादव बोले- 'हम जीतेंगे', 6 वोटों का पेंच कैसे सुलझेगा?

बिहार एजेंसी: बिहार की 5 राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू होते ही राज्य की राजनीति गरमा गई है। एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही खेमों में बैठकों का दौर जारी है। इस बीच, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पूरी तरह एक्शन मोड में दिख रहे हैं। तेजस्वी यादव का बड़ा दावा तेजस्वी यादव ने विधानसभा में अपने विधायकों और गठबंधन के साथियों के साथ बैठक की। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ कहा कि महागठबंधन के पास पर्याप्त संख्याबल है और वे राज्यसभा चुनाव न सिर्फ लड़ेंगे, बल्कि जीतेंगे भी। उन्होंने संकेत दिया कि अगले कुछ दिनों में उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए जाएंगे। उनके इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में एक बार फिर किसी 'खेला' की चर्चा तेज हो गई है। क्या कहता है सीटों का गणित? राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए जरूरी आंकड़ों को देखें, तो महागठबंधन (आरजेडी,

कांग्रेस, वाम दल और आईआईपी) के पास कुल 35 विधायक हैं। जीत पक्की करने के लिए तेजस्वी को अभी भी 6 अतिरिक्त विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सबकी नजरें ओवैसी की पार्टी और बसपा के रुख पर टिकी हैं। दूसरी ओर, मौजूदा समीकरण के हिसाब से एनडीए को भी अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए 3 अतिरिक्त वोटों की जरूरत पड़ सकती है। निर्विरोध चुनाव या वोटिंग? अगर 5 सीटों के लिए केवल 5 ही उम्मीदवार मैदान में उतरते हैं, तो चुनाव निर्विरोध संपन्न हो जाएगा। लेकिन यदि कोई छठा या सातवां उम्मीदवार मैदान में आता है, तो मतदान होना तय है। ऐसी स्थिति में क्रॉस वोटिंग का खतरा भी बढ़ सकता है। आने वाले कुछ दिन बिहार की सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए परीक्षा की घड़ी साबित होने वाले हैं।

होली पर घर जाने वालों के लिए चलेंगी 1244 विशेष ट्रेनें, देखें ट्रेनों की पूरी सूची, स्टार्टअप्स के लिए

नई दिल्ली एजेंसी: यदि आप होली पर घर जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि यात्रियों को कन्फर्म सीट और आरामदायक सफर मिल सके। वहीं अगर आप कोई स्टार्टअप चला रहे हैं और रेलवे के साथ मिलकर नई तकनीक पर काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए भी अवसर खुल गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति की घोषणा की है, जिसके तहत नवाचार और तकनीकी समाधान सीधे रेलवे से जोड़े जाएंगे। देखा जाये तो भारतीय रेल अब तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की डिजिटल व्यवस्था की शुरूआत कर सुधारों को नई दिशा दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म्स विजन के तहत उठाया गया है। नई रेल टेक नीति का मकसद रेलवे में नई तकनीक और नए विचारों को बढ़ावा देना है। अब स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षण संस्थान सीधे रेलवे के लिए अपने सुझाव दे सकेंगे। इसके लिए रेल टेक पोर्टल शुरू किया गया है, जहां एक ही चरण में प्रस्ताव जमा किए जा सकेंगे। प्रोटोटाइप बनाने और परीक्षण के लिए मिलने वाला अनुदान पहले

से दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल अप के लिए अनुदान तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है। साथ ही रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की 23 पीठों को डिजिटल रूप से जोड़ने की तैयारी है। अब यात्री देश में कहीं से भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे। इससे सुनवाई की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और आसान होगी। रेल मंत्री ने 2026 में 52 सप्ताह में 52 सुधार लागू करने की योजना भी सामने रखी है। इसमें ट्रैक और ढांचे

देखा जाये तो भारतीय रेल अब तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की डिजिटल व्यवस्था की शुरूआत कर सुधारों को नई दिशा दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म्स विजन के तहत उठाया गया है।

का विस्तार, बेहतर रखरखाव, नेटवर्क क्षमता बढ़ाना, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और खानपान सेवाओं में सुधार शामिल है। लक्ष्य है कि रेल दुर्घटनाओं की संख्या को घटाकर एक अंक तक लाया जाए। बाइट। इधर, होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के लिए बड़ी तैयारी की है। 25 फरवरी से 18 मार्च 2026 के बीच 1244 होली विशेष रेल यात्राएं चलाई जाएंगी। जरूरत पड़ने पर यह संख्या 1500 तक बढ़ाई जा सकती है। इन विशेष ट्रेनों से मुंबई, पुणे, नागपुर, पटना, दरभंगा, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, अमृतसर, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के बीच अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। पूर्व मध्य रेलवे सबसे अधिक 275 विशेष यात्राएं चलाएगा, जबकि उत्तर रेलवे 204 यात्राएं संचालित करेगा। इसके अलावा पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण पूर्व, उत्तर पूर्व और अन्य सभी जोन में भी विशेष सेवाएं चलाई जाएंगी। रेल मंत्रालय का कहना है कि इन विशेष ट्रेनों से नियमित ट्रेनों पर दबाव कम होगा और यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी। देखा जाये तो भारतीय रेल एक साथ दो मोर्चों पर काम कर रही है। एक ओर तकनीक और प्रशासनिक सुधारों से व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है, तो दूसरी ओर त्योहारों के समय यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे साफ है कि रेलवे अब सुरक्षा, सुविधा और सुधार को साथ लेकर आगे बढ़ रही है।

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मयार्दाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भडकाने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए।

तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था। तुलसीदास जी अब प्रेम का सच्चा अर्थ समझ गये थे। तुलसीदास जान चुके थे कि वह जिस प्रेम को पाने के लिए बचैन थे वह तो क्षण भंगुर है। यह प्रेम तो संसार से दूर ले जाता है। वास्तविक प्रेम तो ईश्वर से हो सकता है जो कण-कण में मौजूद है उसे पाने के लिए बेचैन होने की जरूरत नहीं है उसे तो हर क्षण अपने पास मौजूद किया जा सकता है। इसी अनुभूति के कारण तुलसीदास राम के दर्शन पाने में सफल हुए। जिस पत्नी से मिलने के लिए तुलसी अधीर रहते थे वही उनकी शिष्य बनकर उनका अनुगमन करने लगी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी को महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आजाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला में हुआ था तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गाँव में बीता, जहाँ उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी।

पाठकों को बताता चलूं कि उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और ह्यआजादह्न नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेलखाना बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आजाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड(13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में) ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

पाठक जानते होंगे कि आजाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे, और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। कहते हैं कि एक बार उन्होंने स्त्री का भेष धारण कर अंग्रेजों को चकमा दे दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें क्विक सिल्वर (पारा) कहते थे।

वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। पाठकों को बताता चलूं कि भगत सिंह उन्हें सम्मान से पंडित जी कहते थे। दोनों की जोड़ी को आग और हवा की तरह माना जाता था-जहाँ भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आजाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे।

महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। गौरतलब है कि यह संगठन 1924 में शचींद्र नाथ सान्याल सहित अन्य क्रांतिकारियों द्वारा स्थापित किया गया था। इसके प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी आदि शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई।

बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आजाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची, तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की।जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर

पर गोलियाँ चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुँचे।

आजाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुँचे।

निष्कर्षतः, चंद्रशेखर आजाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है। आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है। सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय

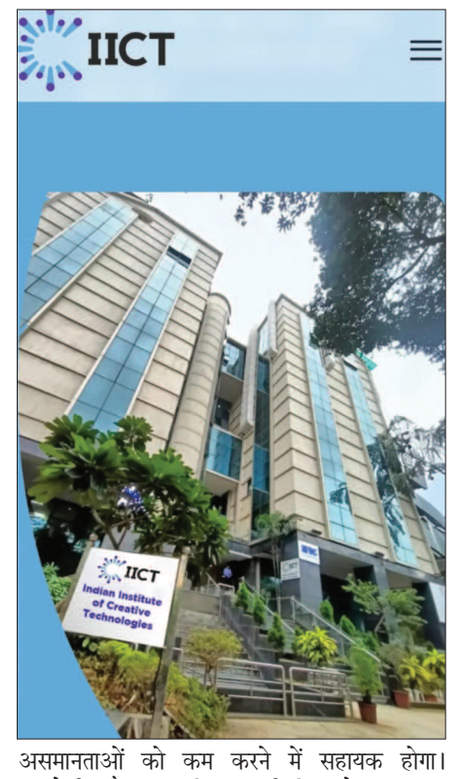

असमानताओं को कम करने में सहायक होगा। समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्ट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी।

दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जोया ब्लॉक में बसंत कालीन गन्ना बुवाई हेतु कृषक गोष्ठी का आयोजन

नैनो उर्वरकों के प्रयोग एवं छिड़काव के बारे में कृषकों को दी गई जानकारी

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया ब्लॉक के गांव देवीपुरा में गन्ना समिति के साथ इफको द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें ज्येष्ठ गन्ना अधिकारी अमरोहा राजेश कुमार,गन्ना पर्यवेक्षक राम गोपाल सिंह और इफको एम सी से रटड आदित्य का रहना हुआ इफको प्रतिनिधि अवधेश गोस्वामी द्वारा गन्ना किसानों को आज की स्थिति बताते हुए रासायनिक उर्वरक का प्रयोग कम करके नैनो उर्वरको नैनो यूरिया नैनो डीएपी सागरिका नैनो जिंक नैनो कॉपर और अन्य उत्पादों के बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और आने वाली फसल जैसे गन्ना को 10ml/litre नैनो डीएपी से गन्ने के सेट्स (बीज) को उपचारित करें और उसके 50 से 60 दिन बाद नैनो डीएपी का 4 ml/lit. नैनो यूरिया के साथ स्प्रे करें जिससे आपकी फसल का बढ़वार अच्छा और उत्पादन अधिक रहेगा दानेदार उर्वरकों से होने वाले नुकसान को बताते हुए नैनो उत्पादों की फायदे एवं विधि बताई साथ ही NPK कंसोर्टिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं इफको के सभी उत्पादों को विस्तार से बताया वही मोहित द्वारा दानेदार सागरिका और तरल सागरिका की प्रयोगविधि बताते हुए किसानों को समझाया जिससे मार्केट में जाईम के नाम पर अन्य उत्पाद न खरीदकर विश्व की सबसे बड़ी सहकारिता संस्था इफको का उत्पाद सागरिका का ठीक ढंग से इस्तेमाल किया जाए जो कि किसानों के बीच सबसे ज्यादा पसंदीदा एवं सस्ता उत्पाद बना हुआ और बताया कि सागरिका पूरी तरह से ऑर्गेनिक उत्पाद हैं इसे आप जैविक खेती में भी इस्तेमाल कर सकते हैं साथ ही ज्येष्ठ गन्ना अधिकारी राजेश ने इफको के उत्पाद एवं दवाई पर दी जाने वाली छूट के बारे में बताते हुए बताया एवं गन्ने समिति से से जुड़ने का आवाहन किया ताकि किसानों को गन्ना समिति अमरोहा द्वारा समय समय पर खाद दवाई और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होती रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्यौराज सिंह ने बताया कि खेती में रासायनिक उर्वरकों से जितना हो सके उतना बचना चाहिए और जैविक खेती खेती की तरफ ओर इफको के नवीनतम उत्पाद नैनो यूरिया नैनो डीएपी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने का आवाहन किया जिससे खेती में आने वाली लागत को कम किया जा सके और गुणवत्ता और मुनाफा लिया जा सके सभा का आयोजन इफको अमरोहा द्वारा किया गया। जिसमें ज्येष्ठ गन्ना अधिकारी राजेश कुमार, गन्ना पर्यवेक्षक रामगोपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, अध्यक्ष श्यौराज सिंह, प्रगतिशील किसान इंद्रजीत सिंह , महावीर सिंह , इफको एम सी से आदित्य प्रताप और इफको प्रतिनिधि अवधेश गोस्वामी ओर मोहित कुमार एवं लगभग 60 से 65 किसान मौजूद रहे।

धनौरा में बेल्डिंग व्यापारी के साथ दबंगों दुकान में घुसकर की मारपीट,चार पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में एक वेल्डिंग व्यापारी की दुकान में घुसकर कुछ दबंग लोगों ने उस पर हमला कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। इस मामले में धनौरा पुलिस ने चार लोगों पर नामजद एवं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बता दें कि यह घटना थाना मंडी धनौरा के अंतर्गत नौगावां फाटक स्थित एक लोहे वेल्डिंग की दुकान पर हुई। पीड़ित लोहे बेल्डिंग व्यापारी राजीव कुमार, जो ग्राम दौलतपुर के निवासी हैं, ने पुलिस को बताया कि 24 फरवरी की शाम करीब 6:55 बजे वह अपनी दुकान पर मौजूद थे।इसी दौरान आरोपी दीपक (पुत्र कमल सिंह), आकाश (पुत्र बॉबी), मंदीप और आजाद अपने 4-5 अन्य साथियों के साथ दुकान में घुस आए। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने पहले अभद्र भाषा का प्रयोग किया और विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों और बेल्ट से हमला कर दिया।इस हमले में राजीव के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं, जिससे वह लहूलुहान हो गए। शोर मचाने पर जब भीड़ इकट्ठा होने लगी, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए। पीड़ित ने आरोपियों पर रुपए छीनने का भी आरोप लगाया है।पीड़ित का मेडिकल परीक्षण सीएचसी धनौरा में कराया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक संजीव कुमार तोमर को सौंपी गई है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गजरौला क्षेत्र में शराब पीकर गाली देने का विरोध करने पर दंपती को पीटा,घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र में शराब पीकर गाली गलौज करने का विरोध करने पर शराबी युवक और उसकी पत्नी द्वारा दंपति को मारपीट कर घायल करने का मामला सामने आया। इस मामले में पीड़ित दंपति ने नगर कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कानूनी की कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर सुल्तान ठेर का है जहां पर गुरुवार की सुबह गांव निवासी लाखन व उसकी पत्नी रीना ने वहीं के रहने वाले कमल और उसकी पत्नी ममता के साथ जमकर मारपीट की और उन्हें घायल कर दिया। इस मामले की जानकारी देते हुए पीड़ित कमल और उसकी पत्नी ने बताया कि लाखन आए दिन दारू पीकर हमारी दुकान के सामने आकर हमें गंदी-गंदी गालीयां देता है उसका यह सिलसिला काफी दिनों से चलता आ रहा था जिसका आज हमने विरोध किया तो उसने अपनी पत्नी रीना के साथ मिलकर हम दोनों के साथ मारपीट की ,जिसमें उसने मेरी पत्नी के कान से कुंडल खींच लिया जिससे उसके कान चिर गया और वह घायल हो गई। फिलहाल पीड़ित दंपति द्वारा इस मामले में आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है। वहीं थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक और प्रशिक्षण संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक एवं एकदिवसीय प्रशिक्षण प्रमुख जनगणना अधिकारी/जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनगणना-2027 की समयावधि, चार्ज निर्धारण, स्व-गणना प्रक्रिया, गतिविधियों की निगरानी, प्रगणक व सुपरवाइजर सहित अन्य कार्मिकों की भूमिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपेक्षित तैयारियाँ समयबद्ध ढंग से पूरी करें। साथ ही ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन जनगणना के महत्व को समझ सकें। उन्होंने यह भी बताया कि यह जनगणना पहली बार पूरी तरह से डिजिटल मोड में की जाएगी। इससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनेगी। प्रशिक्षण में डाटा की सटीकता, पारदर्शिता और गोपनीयता पर विशेष जोर दिया गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत रखी जाए। उन्होने बताया कि जनगणना- 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना 22 मई से 20 जून, 2026 तक होगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना होगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण दर्ज होगा 9 से 28 फरवरी, 2027 तक होगी। इसके बाद 1 से 5 मार्च, 2027 तक पुनरीक्षण राउंड चलाया जाएगा। जनगणना-2027 के लिए जिले से दो मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 17 से 21 फरवरी तक मुख्यालय लखनऊ में कराया जा चुका है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिले में फील्ड कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी एवं उप जिला जनगणना अधिकारी, तहसीलदार, जिला प्रभारी जनगणना व्यास नंदन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में यूजीसी एक्ट 2026 लागू करने को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा तहसील में भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ते जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और छात्र आत्महत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए 'यूजीसी एक्ट 2026' को तत्काल लागू करने की मांग की गई है। गुरुवार को अपनी जनता पार्टी और समता सैनिक दल के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार मूसा राम थारु को सौंपा। बता दें कि ज्ञापन में कहा गया है कि आजादी के दशकों बाद भी देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईटी, एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र जातिगत द्वेष का शिकार हो रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने रोहित वेमुला, डॉ. पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे छात्रों की मृत्यु का उल्लेख करते हुए इसे केवल आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्थागत भेदभाव का परिणाम बताया।सौंपे गए पत्र में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) और हालिया रिपोर्ट्स का हवाला दिया गया। इसके अनुसार, वर्ष 2023 में छात्र आत्महत्याओं का आंकड़ा 13,892 तक पहुंच गया। हाल ही में जनवरी और फरवरी 2026 में आईआईटी कानपुर और बॉम्बे में भी दुखद घटनाएं सामने आईं। प्रशासनिक स्तर पर भी भेदभाव की स्थिति गंभीर है, जिसका उदाहरण वर्ष 2025 में हरियाणा के एक आईपीएस अधिकारी द्वारा उठाया गया आत्मघाती कदम है।प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यूजीसी एक्ट 2026 संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17 और 21 के तहत समानता और गरिमा के अधिकार को सुनिश्चित करता है। यह विधेयक न केवल शैक्षणिक मानकों में सुधार लाएगा, बल्कि संस्थानों में जवाबदेही भी तय करेगा।ज्ञापन सौंपने वालों में राजपाल सिंह सैनी, विक्रम सैनी प्रधान, दयाराम गौतम, दिनेश एडवोकेट, मुनिदेव, रंजीत बौद्ध, बाबूराम बौद्ध, लता देवी, अशोक उर्फ लुक्का सैनी, ब्रह्म सिंह, तारा चंद, तेजराम सिंह, हरिओम सिंह, खुशविंद्र और योगेन्द्र कुमार सिंह सहित समता सैनिक दल व अपनी जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इन सभी ने सरकार और राष्ट्रपति से इस दिशा में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की।

वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण, बुजुर्गों के बीच बांटी विधिक जागरूकता एवं स्नेह के रंग

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में सचिव, न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास द्वारा जनपद अमरोहा में स्थित वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उददेश्य वृद्धजनों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता का आकलन करना तथा उन्हे उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा सचिव/ न्यायाधीश अभिषेक कुमार व्यास ने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिको से व्यक्तिगत रूप से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों को गम्भीरतापूर्वक सुना, उन्होंने आवासीय कक्षों की स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था, सुरक्षा उपायों तथा मनोरंजन सम्बन्धी सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया और सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर सचिव द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, लोक अदालत, मध्यस्थता, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम से सम्बन्धित प्रावधानों तथा अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आर्थिक या सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है और किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या की स्थिति में वे निसंकोच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। होली के पावन अवसर को दृष्टिगत रखते हुए, सचिव एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा वृद्धजनों के साथ गुलाल लगाकर स्नेहपूर्वक होली खेली गई। इस दौरान पूरा वृद्धाश्रम रंगो और मुस्कानों से सराबोर हो उठा। बुजुर्गों ने इसे अपने परिवार जैसा स्नेहपूर्ण अनुभव बताते हुए जिला न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यकम के अन्त में यह संदेश दिया गया कि समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारे अनुभव और संस्कारों की धरोहर है, उनके सम्मान, संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा सदैव प्रतिबद्ध है संवेदनशील पहले निरन्तर जारी रहेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया और डबल लॉक एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को देखा। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये। अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्षा ने इंदिरा चौक पर निमार्णाधीन पुलिया का किया स्थलीय निरीक्षण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगर में गुरुवार को नगर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ. करने और जन आकांक्षाओं को धरातल पर उतारने के संकल्प के साथ नगर पालिका परिषद गजरौला की अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी ने नगर के इंदिरा चौक चौराहे पर निमार्णाधीन पुलिया का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। बता दें कि निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्षा ने कार्य की प्रगति का सूक्ष्म अवलोकन किया और कार्यालय संस्था को कड़े निर्देश देते हुए स्पष्ट रूप में कहा कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री उच्चतम मनको के अनुरूप होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पुलिया का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाना चाहिए।यह पुलिया क्षेत्र की जल निकासी और सुगम यातायात के लिए लाइफ लाइन साबित होगी। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह ,रवि सैनी ,दीपक कुमार सहित पालिका के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

ब्लॉक प्रमुख ने बुखारीपुर में आरसीसी सड़क का किया उद्घाटन, ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से किया स्वागत

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड गंगेश्वरी के गांव बुखारीपुर में गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने अपनी निधि से निर्मित आरसीसी सड़क का उद्घाटन किया। करीब 10 लाख रुपये की लागत से बनी इस सड़क के शुरू होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और फूल-मालाओं के साथ ब्लॉक प्रमुख का स्वागत कर आभार जताया। उद्घाटन के दौरान खड्गवंशी ने कहा कि गंगेश्वरी क्षेत्र के लगभग सभी गांवों में ब्लॉक प्रमुख निधि से विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि सड़क ऐसी संरचना है जो एक बार बन जाने पर कई वर्षों तक काम आती है। बुखारीपुर की यह सड़क आजादी के समय से कच्ची थी और बरसात में जलभराव के कारण आवागमन दूभर हो जाता था। अब पक्की सड़क बनने से ग्रामीणों को बड़ी सुविधा मिलेगी। खड्गवंशी ने आगे कहा कि उनकी मंशा समाज के बीच रहकर सेवा करते रहने की है। कार्यक्रम में गांव के प्रकाश गिरी, सुबहपाल गिरी, पत्रकार अनुज कुमार गोस्वामी, सुशील गिरी, संतोष पुरी, पूरन गिरी, पंचम गिरी, नितेश पंडित, बृजपाल गिरी, सुबोध गिरी, हेमंत, ग्रीस गोस्वामी, विनोद गिरी, सुनील गिरी, कैलाशपुरी, मोमीन, ललित गिरी, लक्ष्मण गिरी, मुखराम गिरी, खजान गिरी, मूलचंद गिरी, मुनेश गोस्वामी, गणेश गिरी, सुमित गिरी, नरेंद्र पुरी समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

आगामी त्यौहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान

सेवैया निर्माण इकाई और राइस मिल पर छापा, सैकड़ों बोरे मैदा जब्त

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- आगामी त्यौहारों को लेकर जनपद में खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार देर रात संभल के खग्गू सराय क्षेत्र स्थित मोह. शाकिर की सेवैया निर्माण इकाई का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके से सेवैया एवं मैदा के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि सेवई निर्माण में प्रयुक्त ह्यश्री हरिह्व ब्रांड मैदा के लगभग 173 बोरों पर पैकिंग एवं लेबलिंग नियमों का उल्लंघन किया गया है। संबंधित मैदा का निर्माण श्री हरि राइस एंड

जनरल मिल, बहजोई द्वारा किया गया था। नियमों के उल्लंघन पर उक्त बोरों को टीम ने जब्त कर लिया। प्राप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बहजोई के बमनेटा स्थित श्री हरि राइस एंड जनरल मिल पर छापामार कार्रवाई की। मौके पर लगभग 447 बोरे (प्रत्येक 15 किलोग्राम) श्री हरि ब्रांड मैदा भंडारित पाया गया। जांच में भ्रामक खाद्य लाइसेंस संख्या अंकित होने सहित अन्य पैकिंग एवं लेबलिंग संबंधी अनियमितताएं सामने आईं।

टीम ने मैदा का नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजा तथा मौके पर रखे सभी 447 बोरे जब्त कर लिए। इसके अतिरिक्त मिल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित संचालक को नोटिस भी जारी किया गया। इस कार्रवाई में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय मानवेन्द्र सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार, अशोक कुमार एवं सुधीर कुमार सहित विभागीय टीम मौजूद रही। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बाजारों में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातयात पुलिस सतर्क

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- आगामी त्योहारों को देखते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान द्वारा कस्बा चन्दौसी में विशेष अभियान चलाया गया। बाजारों में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए ई-रिक्शा का संचालन वन-वे व्यवस्था के तहत कराया गया, जिससे जाम की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। साथ ही चन्दौसी के मुख्य बाजार के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यातायात पुलिस की ड्यूटी लगाई गई, ताकि

यातायात सुचारु रूप से संचालित होता रहे। अभियान के दौरान बाजारों में दुकानों के सामने सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। पुलिस टीम ने दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करते हुए चालान किए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि आमजन को सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था मिल सके।

आरटीआई विभाग की समीक्षा बैठक का सम्भल में किया गया आयोजन

प्रदेश अध्यक्ष ने किया नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत, बूथ स्तर तक जागरूकता पर जोर

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के चौधरी सराय तरीन कैंपस में अमित कुमार उठवाल के सानिध्य में आरटीआई विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व आरटीआई विभाग के जिला अध्यक्ष मंजर अब्बास ने किया।

गुरुवार को आयोजित इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आरटीआई विभाग के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों मंजर अब्बास, जीतपाल सिंह, वाहिद सैफी आदि का माला पहनाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि आरटीआई का उद्देश्य केवल अधिकारियों से सूचना मांगना ही नहीं है, बल्कि इसकी

जानकारी बूथ स्तर तक प्रत्येक नागरिक, ग्रामीण, वार्ड और ब्लॉक स्तर तक पहुंचाना है, ताकि आम आदमी को सशक्त बनाया जा सके। प्रदेश उपाध्यक्ष अमित कुमार उठवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वर्ष 2005 में जमीनी स्तर पर आम जनता को मजबूत करने के उद्देश्य से आरटीआई कानून लेकर आई थी। इस कानून से भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं में भय का माहौल बना तथा आम नागरिक को अधिकार मिला कि वह बड़े से बड़े अधिकारी से अपने क्षेत्र के विकास कार्यों पर हुए खर्च, ठेके और कार्य की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सके। बैठक में कांग्रेस एवं आरटीआई विभाग के कार्यकताओं को आरटीआई अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई और इसे जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर

जिला अध्यक्ष आरिफ तुर्की, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय शर्मा, शहर अध्यक्ष शिवकिशोर गौतम, पूर्व शहर अध्यक्ष तौकीर अहमद, मुशीर खान तरीन, मुनीश जोशी, हम्माद मोवीन, संजय सक्सेना, दुष्यंत कुमार, मनवीर, जीतपाल सागर, मोहम्मद कासिम, वीर सिंह सागर, मौअजजम हुसैन, मास्टर जयपाल सिंह, वॉइस सैफी, संजय पाठक, अकील अहमद, मेहरान, इरशाद हुसैन, नौमान हैदर, सुबोध शर्मा, डॉ. फरहत, बब्बू खान, इफ्तिखार कुरैशी, मेहताब सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संभल सीएचसी में प्रसव के दौरान महिला व नवजात की मौत

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, जांच के निर्देश

संभल(सब का सपना):- जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसव के दौरान एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा करते हुए चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के गांव बराही निवासी मतीन अहमद की पत्नी गुलशन जहां को प्रसव पीड़ा होने पर सीएचसी में भर्ती कराया गया था।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में इंजेक्शन लगाए जाने के बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें निजी अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई, जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने महिला और नवजात को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि उपचार के नाम पर 3500 रुपये लिए गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि भी अस्पताल पहुंचे और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। वहीं, सीएचसी की लेबर इंचार्ज ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि प्रसव के दौरान स्थिति जटिल थी। बच्चे का सिर आगे आ गया था और सामान्य प्रसव के लिए कुछ समय इंतजार करने की सलाह दी गई थी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने संभल कस्बे में किया पैदल मार्च

होली व एकादशी को लेकर जुलूस मार्गों का लिया जायजा, शांति बनाए रखने की अपील

संभल(सब का सपना):- आगामी त्योहारों होली और एकादशी को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार ने बुधवार को कस्बा संभल क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने होली एवं एकादशी पर निकलने वाले जुलूसों के निर्धारित मार्गों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसपी ने मुख्य बाजारों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। गश्त के दौरान अपराध नियंत्रण, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए अपील की कि सभी लोग सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। उन्होंने भ्रामक अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने को कहा।

एसपी ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी और शांति व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की भी अपील की है, ताकि सभी पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकें।

धार्मिक संस्थाएं एन्युटी भुगतान हेतु करें दावा प्रस्तुत

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उ०प्र०, अनुभाग-5 लखनऊ के निदेर्शानुसार एन्युटी भुगतान हेतु पात्र जनपद की समस्त धार्मिक संस्थाए, जो जनपद के एन्युटी रजिस्टर में दर्ज हो और राजस्व परिषद स्तर से डीबीटी प्रणाली के अन्तर्गत एन्युटी प्राप्त

करना चाहती है वे इस विज्ञप्ति की प्रकाशन की तिथि से अगले 02 सप्ताह के भीतर अपने दावे एवं अद्यतन विवरण (इच्छा पत्र, बैंक खाता विवरण-कैसिल चैक / पासबुक की प्रमाणित छायाप्रति, संस्था विवरण) जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में दावा प्रस्तुत न करने की स्थिति में यह मान लिया जायेगा कि संबंधित धार्मिक संस्था एन्युटी लेने की इच्छुक नहीं है, और उसकी सूचना शून्य मानी जायेगी।

पीआरवी पुलिस ने दिखाई तत्परता खराब कार के कारण फंसे छात्रों को समय से परीक्षा केंद्र पहुंचाया

संभल(सब का सपना):- थाना कैलादेवी क्षेत्र में संचालित यूपी-112 पुलिस पीआरवी ने तत्परता दिखाते हुए इंटरमीडिएट के छात्रों को समय से परीक्षा केंद्र पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यूपी-112 को कॉलर द्वारा सूचना दी गई कि वह इंटरमीडिएट के छात्रों को ईको कार से यूपी बोर्ड की परीक्षा दिलाने जा रहा था, लेकिन रास्ते में तारनपुर कैलादेवी के पास अचानक कार खराब हो गई। ऐसे में छात्रों को समय से परीक्षा केंद्र पहुंचाना संभव नहीं हो पा रहा था और पुलिस से सहायता की मांग की गई। सूचना मिलते ही पीआरवी

पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद संबंधित थाना कैलादेवी और कंट्रोल रूम को अवगत कराते हुए त्वरित व्यवस्था की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित तीन अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर सभी छात्रों को परीक्षा प्रारंभ होने से पहले सकुशल पहुंचा दिया। यूपी-112 पुलिस के इस सराहनीय कार्य से उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि और अधिक मजबूत हुई है। छात्रों और कॉलर ने पुलिस का आभार व्यक्त किया, वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी पुलिस की तत्परता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी यूपी-112 जनपद सम्भल तथा क्षेत्राधिकारी यूपी-112 संतोष कुमार के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में की गई।

ऑपरेशन क्लीन-2 के अंतर्गत की गई नीलामी, 1 लाख 9 हजार रुपए की राजस्व की प्राप्ति

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली परिसर में 'ऑपरेशन क्लीन 2' के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटिशन (क्रिमिनल) संख्या 2745/2002 सुंदर भाई अंबालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में थाने में खड़े माल मुकदमाती एवं अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद में 'ऑपरेशन क्लीन-2' प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया।सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'ऑपरेशन क्लीन' के अंतर्गत कार्यवाही प्रचलित है जिसके तहत गुरुवार को क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक कुमार थाना प्रभारी जितेंद्र बालियान एवं नायब तहसीलदार केलसा तहसील सदर की गठित कमेटी द्वारा थाना डिडौली में मुकदमाती वाहनों के कुल 6 वाहनों जिनमें 2 मोटरसाइकिल एवं 4 वाहन चार पहिया की नीलामी थाना डिडौली परिसर में विधि सम्मत तरीके से कराई गई। जिससे कुल नीलामी की धनराशि 1 लाख ड्9000 राजस्व की प्राप्ति हुई। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जाएगा।

एडीएम गरिमा सिंह की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापार जगत के विभिन्न पदाधिकारी द्वारा अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह के समक्ष अपनी समस्याओं को रखा गया। व्यापार बंधु की समस्याएं सुनकर अपर जिलाधिकारी महोदया ने निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। व्यापार बंधुओं के पदाधिकारी द्वारा नगर पालिका एवं नगर पंचायत में रोड पर ठेले लगे की समस्या को उठाया जिस पर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि पुलिस और अधिशासी अधिकारी मिलकर अभियान चलाएं और रोड पर ठेले खड़े न होने दें। व्यापार बंधुओं के पदाधिकारी ने

अपर जिलाधिकारी के समक्ष फूड विभाग के साथ बैठक आयोजित करने की मांग रखी ताकि फूड विभाग और व्यापारियों में संवाद रहे और सामंजस्य बना रहे इसके लिए अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह ने संबंधित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विद्युत, साफ सफाई, नालों पर अवैध निर्माण आदि की समस्याएं व्यापारियों ने प्रमुखता के साथ रखी।

अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह ने व्यापार बन्धुओ की समस्याओं को सुनकर संबंधित को समय के साथ निस्तारण करने के निर्देश। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने किया थाना नखासा का वार्षिक निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा थाना नखासा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, हवालात, बैरक, मालखाना, शस्त्रों आदि का निरीक्षण किया गया तथा पुलिसकर्मियों को शस्त्रों की हैंडलिंग कराकर जानकारी दी गयी । बैरक का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया गया । गाडियों को डंपिंग यार्ड मे लगाए जाने तथा कैमरों का संचालन सही प्रकार से करने हेतु निर्देशित किया गया । थाना पर आगन्तुकों के लिये उचित व्यवस्था एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।

महिला हेल्प डेस्क अभिलेख, महिला बीट अभिलेख, अपराध रजिस्टर आदि को चैक किया गया तथा गहनता से जांचा परखा गया एवं प्रचलित ऐप (यक्ष ऐप) आदि के सम्बन्ध में अद्यतन जानकारी ली गयी। थाने के अभिलेखों का निरीक्षण करते हुए समस्त अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। महोदय द्वारा बताया कि ड्यूटी के दौरान थाना क्षेत्रान्तर्गत बाजार, सराफा दुकान, चौराहों, गली, नुक्कड़ों आदि पर सतर्क दृष्टि बनाये रखने तथा थाना क्षेत्र में सतर्कतापूर्ण भ्रमणशील रहने तथा पुलिस की सक्रियता बनाये रखने एवं नियमित रूप से बैंक चैकिंग, एटीएम चैकिंग, मुख्य चौराहों,सड़क,ढाबों,होटल,बस स्टैंड,पेट्रोल पंप एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर चैकिंग तथा रात्रि गश्त करने तथा आम जनता से अच्छा व्यवहार करने हेतु व सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को कायम रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये तथा ग्राम प्रहरी से वार्ता कर उनकी समस्यों एवं थाना क्षेत्र के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें ।

घर लौट रहे युवकों की बोलेरो गंगनहर में गिरी, दो की मौके पर मौत

चार गंभीर घायल, सभी को ऋषिकेश एम्स रेफर किया गया

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- शादी समारोह से लौट रहे युवकों की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब उनकी बोलेरो कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में जा गिरी। दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना नजीबाबाद क्षेत्र में गंगनहर मार्ग पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो कार तेज रफ्तार में थी। अचानक वाहन अनियंत्रित हुआ और सीधा नहर में जा गिरा। पानी में गिरते ही अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।kहादसे में सतीश और सचिन की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दोनों को बाहर निकालने तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। हादसे में विशाल, मोहित, अंकित सहित कुल चार युवक घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को पहले नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए सभी को एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही थाना नजीबाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। वाहन को नहर से निकालने के प्रयास किए गए। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और संतुलन बिगड़ना हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार के खतरों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस घर में शादी की शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां अब मातम का सन्नाटा पसरा है।

दामाद पर ससुराल में चोरी का आरोप

नशीला पदार्थ सुंघाकर जेवरात लेकर फरार होने की शिकायत, जांच में जुटी पुलिस

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला कैपतला, जामा मस्जिद के निकट एक परिवार ने अपने ही दामाद पर घर में चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपी ने परिवार के सदस्यों को कथित रूप से नशीला पदार्थ सुंघाकर अचेत किया और घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित संतोष वर्मा पुत्र कृष्ण गोपाल वर्मा के अनुसार उनकी एकमात्र पुत्री मूक-बधिर है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व उन्होंने उसका विवाह ग्राम कुम्हारपुरा निवासी नवीन पुत्र कौशल के साथ किया था। परिवार का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद दामाद के व्यवहार और आदतों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जिसके चलते उसे घर से अलग कर दिया गया था।

बताया गया कि करीब आठ दिन पहले आरोपी ने वापस आकर अपनी गलतियों पर खेद जताया और दोबारा साथ रहने की इच्छा जताई। परिवार ने मानवीय आधार पर उसे घर में रहने दिया। आरोप है कि बीती रात उसने सास, ससुर और पत्नी को कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया, जिससे वे गहरी नींद में चले गए। इसके बाद वह घर में रखे कीमती जेवरात समेटकर फरार हो गया। पीड़ित के मुताबिक घर से लगभग आधा किलो सोना–जिसमें कंगन, चेन, मंगलसूत्र और अंगूठियां शामिल हैं–तथा करीब 40 किलो चांदी के सामान के गायब होने की बात कही गई है। सुबह जब परिवार को घटना का पता चला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश की जा रही

एआरटीओ ओवरलोडिंग वाहनों पर चलाएं औचक चेकिंग अभियान

टी-प्वाइंट्स व ब्लाइंड मोड़ों पर पहले से साइनेज-रिफ्लेक्टर की व्यवस्था करें:- जिलाधिकारी जसजीत कौर

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने उप संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में ओवरलोडिंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए दिन और रात–दोनों समय औचक निरीक्षण अभियान चलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़कों पर कोई भी अनफिट वाहन संचालित नहीं होना चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों–विशेषकर मुख्य मार्ग से जुड़ने वाले टी-प्वाइंट्स और ब्लाइंड मोड़ों–पर मोड़ से कम से कम एक किलोमीटर पहले पर्याप्त साइनेज, रिफ्लेक्टर और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं, ताकि चालक समय रहते सतर्क हो सकें। उन्होंने कहा कि फिटनेस प्रमाणित वाहनों पर विजुअल स्टीकर लगाए जाएं, जिससे दूर से पहचान संभव हो सके। साथ ही रेड लाइट जंपिंग, ओवर स्पीडिंग, मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने, शराब पीकर ड्राइविंग करने तथा अनाधिकृत वाहनों के संचालन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन्हें चिन्हित कर त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी सभी कार्रवाइयों का संयुक्त (कम्बाइंड) डाटा तैयार करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व ग्रामीण, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नगीना में घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- स्थानीय मोहल्ला पंजाबियान में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहम्मद काशिफ पुत्र रागिब ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पैशन प्रो मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी थी। रात करीब 9:20 बजे जब वह बाइक को अंदर खड़ा करने बाहर आए तो वाहन वहां से गायब मिला। पीड़ित के अनुसार, अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसकी वीडियो क्लिप उनके पास मौजूद है। काशिफ ने तहरीर में यह भी उल्लेख किया है कि मोटरसाइकिल में जरूरी कागजात रखे हुए थे। उन्होंने आशंका जताई है कि चोरी गई चाबी और दस्तावेजों का दुरुपयोग हो सकता है, इसलिए वाहन की शीघ्र बरामदगी आवश्यक है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मालन की तर्ज पर बान नदी का होगा जीर्णोद्धार

डीएम जसजीत कौर ने प्रवाह मार्ग के सर्वे व कब्जा मुक्त कराने के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले की बान नदी को भी अब नई जिंदगी मिलने जा रही है। मालन नदी की तर्ज पर बान नदी के जीर्णोद्धार की तैयारी शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति तथा मानव-गुलदार संघर्ष न्यूनीकरण समिति की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने स्पष्ट कहा कि बान नदी के प्रवाह मार्ग का चिन्हांकन कर उसे अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने सिंचाई विभाग के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि नदी के प्रवाह क्षेत्र का विस्तृत सर्वे कर शीघ्र आख्या प्रस्तुत करें, ताकि जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ किया जा सके। गंगा समिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि ब्लॉक मुहम्मदपुर देवमल क्षेत्र के ग्राम बादशाहपुर, दयालपुर सहित अन्य गांवों के किसी भी नाले का पानी गंगा में प्रवाहित न होने पाए। उन्होंने स्वच्छता मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पर्यावरण समिति की बैठक में डीएम ने वायु प्रदूषण के मानकों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जुमार्ने और चालानों में बढ़ोतरी करने के आदेश भी दिए गए। बायो मेडिकल वेस्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अस्पतालों में शत-प्रतिशत बारकोडिंग सुनिश्चित की जाए तथा बारकोड आधारित प्रणाली से ही मेडिकल वेस्ट का निस्तारण कराया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता के लिये मानव-गुलदार संघर्ष न्यूनीकरण समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में गुलदार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहां जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं। उन्होंने वन विभाग को निर्देश दिए कि अति संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष टीमों का गठन किया जाए। टीम सदस्यों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाए। स्वयंसेवी वन मित्रों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उपलब्ध कराए जा रहे पिंजरों में सभी मानकों का पालन सुनिश्चित हो। साथ ही ग्रामीणों को गन्ने की कटाई के समय विशेष सावधानी बरतने के लिए प्रेरित करने को कहा गया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुणाल रस्तोगी, डीएफओ, अपर पुलिस अधीक्षक, डीसी मनरेगा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं धर्मगुरु उपस्थित रहे।

फायर ब्रिगेड की तत्परता से ट्रैक्टर-ट्रॉली की भीषण आग पर काबू

चांदपुर /बिजनौर (सब का सपना):- शहर के फीना कॉलोनी इलाके में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गन्ने की पत्ती से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अचानक भीषण आग लग गई। समय रहते फायर ब्रिगेड और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोयली सादात निवासी नौशाद पुत्र लाला ट्रैक्टर-ट्रॉली में पत्ती भरकर कोल्हू की ओर जा रहा था। फीना कॉलोनी से गुजरते समय अचानक ट्रॉली में आग भड़क उठी। चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए जलती पत्ती को सड़क पर पलट दिया और ट्रैक्टर को सुरक्षित स्थान पर ले गया, जिससे आग आसपास के रिहायशी क्षेत्र तक नहीं फैल सकी। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी सुभाष चंद के नेतृत्व में फायर सर्विस टीम मौके पर पहुंची। टीम में चालक छट्टन सिंह, फायरमैन पंकज चौहान, शमशाद और निशांत शर्मा सहित पांच सदस्य शामिल थे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। फायर विभाग के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि विस्तृत जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड टीम की तत्परता और साहस की सराहना की। उनका कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई न होती तो रिहायशी क्षेत्र में बड़ा नुकसान हो सकता था।

दहेज उत्पीड़न, सामूहिक साजिश और दुष्कर्म के आरोप, इंसाफ के लिए एसपी दरबार पहुँची पीड़िता

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना, जबरन यौन शोषण और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। थाना स्तर पर शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज न होने का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।kपीड़िता के अनुसार उसकी शादी 15 नवंबर 2018 को इमरान पुत्र नफीस, निवासी मोहल्ला चाहसंघ, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर से हुई थी। विवाह में उसके मायके पक्ष द्वारा लगभग 10 लाख रुपये खर्च किए गए, लेकिन कथित तौर पर पति इमरान, सास आसमा, ननद अजरा और अन्य परिजन दहेज से संतुष्ट नहीं थे। आरोप है कि विवाह के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। संतान न होने को लेकर ताने, अपमान और मारपीट भी की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 31 मार्च 2025 (ईद) को ननद के बुलावे पर वह पति के साथ गंज बिजनौर गई थी, जहां ननदोई रिजवान (जो स्वयं को डॉक्टर बताता है) ने जांच के बहाने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। जब उसने यह बात पति और ननद को बताई तो उन्होंने आरोपी का पक्ष लिया और कथित तौर पर संतान प्राप्ति का तर्क दिया। आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी ने कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए और ससुराल पक्ष उसका समर्थन करता रहा। 11 दिसंबर 2025 को ससुराल में ही दोबारा दुष्कर्म किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता के अनुसार 29 जनवरी 2026 को दिल्ली स्थित किराए के मकान से पति, सास और देवर द्वारा उसे जबरन बिजनौर ले जाने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर मारपीट और गाली-गलौज की गई तथा पति द्वारा तीन तलाक कहकर घर से निकाल देने का आरोप भी लगाया गया है। किसी तरह वह मायके पहुंची। पीड़िता का कहना है कि 31 जनवरी 2026 को थाने में शिकायत और उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र देने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। आरोप है

कि उसे समझौते के लिए दबाव और धमकियां दी जा रही हैं। बुधवार को पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत देकर सभी आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच, तथा स्वयं और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मौलाना फैजान अशरफ हामिदी ने युवाओं को दी वक़्त की पाबंदी की नसीहत

सम्भल(सब का सपना):- रमजान को बरकतों और रहमतों का महीना बताते हुए जर्नल सेक्रेटरी तंजीम उलेमा-ए-अहले सुन्नत सम्भल मौलाना फैजान अशरफ हामिदी ने कहा कि यह महीना इंसान को इबादत के साथ-साथ बेहतरीन टाइम मैनेजमेंट की भी ट्रेनिंग देता है। उन्होंने कहा कि सहरी का वक्त तय, इफ्तार का वक्त तय और पांचों नमाजों के औकात मुकर्रर होना इस बात की दलील है कि इस्लाम वक़्त की पाबंदी सिखाता है। कुरआन की आयत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बेशक नमाज मोमिनों पर वक़्त मुकर्रर में फर्ज. की गई है, जिससे साफ जाहिर होता है कि एक मोमिन की जिंदगी बेतरतीब नहीं बल्कि अनुशासित होनी चाहिए। मौलाना हामिदी ने कहा कि रमजान में सुबह की शुरूआत सहरी से पहले उठकर तहज्जुद और दुआ से करनी चाहिए। फज्र की नमाज के बाद कम से कम 15-20 मिनट कुरआन की तिलावत करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि दिन की शुरूआत इबादत से हो और बरकत महसूस हो। उन्होंने सलाह दी कि दिनभर के कामों की पहले से योजना बनाएं। चाहे व्यक्ति नौकरी, कारोबार या तालीम से जुड़ा हो, जरूरी काम पहले निपटाएं और गैर-जरूरी बातों व मोबाइल के इस्तेमाल से बचें। जुहर के बाद थोड़ा आराम करने से थकान कम होती है और रोजा आसान हो जाता है। अस्र के बाद के वक़्त को कीमती बताते हुए उन्होंने कहा कि यह दुआ की कबूलियत का समय है, इसलिए इस दौरान तिलावत, ज़िक्र और इस्तिगफार में मशगूल रहना चाहिए। इफ्तार में सादगी बरतने और हल्का भोजन लेने की भी नसीहत दी, ताकि तरावीह में सुस्ती न आए। मौलाना फैजान अशरफ हामिदी ने खासतौर पर नौजवानों से अपील की कि रमजान को अपनी आदतों में सुधार का जरिया बनाएं।

रोज एक छोटा लक्ष्य तय करें, जैसे आधा पारा पढ़ना या पांचों वक्त की नमाज जमाअत से अदा करना। छोटे-छोटे कदम बड़ी कामयाबी की राह खोलते हैं। उन्होंने कहा कि अगर रमजान में इंसान ने अपने वक़्त का सही इस्तेमाल करना सीख लिया, तो पूरी जिंदगी में कामयाबी और सुकून हासिल कर सकता है। अंत में उन्होंने दुआ की कि अल्लाह तआला सभी को रोजा और नमाज की पाबंदी के साथ बेहतर टाइम मैनेजमेंट की तौफीक अता फरमाए।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

डीएम के आदेश से लगी फेंसिंग तोड़े जाने पर सीएम से शिकायत

प्रशासनिक संरचना को नुकसान पहुंचाने का आरोप, नामजद व्यक्तियों पर FIR की मांग

स्योहारा/बिजनौर(सब का सपना):- नगर क्षेत्र स्योहारा के मौहल्ला जुमरात का बाजार स्थित सेवा समिति धर्मार्थ ट्रस्ट की धार्मिक-सामाजिक महत्व की भूमि पर जिलाधिकारी के आदेश से स्थापित की गई प्रशासनिक फेंसिंग को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। समिति के महामंत्री डॉ. विनीत कुमार देवरा ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा आदेश संख्या 284/आलि०प्रशा०-2026 दिनांक 07 जनवरी 2026 के अनुपालन में उक्त स्थल पर प्रशासनिक नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधिवत फेंसिंग कराई गई थी। समिति का आरोप है कि 23 फरवरी 2026 को कुछ नामजद व्यक्तियों एवं उनके सहयोगियों ने कथित रूप से फेंसिंग को नुकसान पहुंचाकर हटा दिया। इसे प्रशासनिक आदेश को चुनौती देने जैसा कृत्य बताया गया है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में प्रदेश सरकार की माफिया एवं अराजक तत्वों के विरुद्ध "जीरो टॉलरेंस" नीति का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि यदि इस प्रकार की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो गलत संदेश जाएगा। समिति ने आरोप लगाया है कि स्थापित फेंसिंग प्रशासनिक नियंत्रण में सार्वजनिक संरचना थी और उसे क्षतिग्रस्त करना Prevention of Damage to Public Property Act सहित प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। प्रार्थना पत्र में निम्न मांगें रखी गई हैं कि नामजद एवं अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध तत्काल FIR दर्ज की जाए। संबंधित कठोर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जाए। स्थल पर पुनः फेंसिंग स्थापित कर प्रशासनिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

दोषियों के विरुद्ध उदाहरणात्मक कार्रवाई की जाए। इस संबंध में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिदेशक, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को भी प्रतिलिपि भेजी गई है। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से औपचारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा और रोष की स्थिति बताई जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि तथ्यों की जांच के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक संगठनों ने टीईटी परीक्षा के विरोध में बीएसए कार्यालय पर दिया धरना

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (TFI) के नेतृत्व में सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। यह विरोध टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ है, जिसे शिक्षक अपनी नौकरी, मान-सम्मान और सेवा सुरक्षा के लिए खतरा मान रहे हैं। TFI के राष्ट्रीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी शिक्षक संगठित होकर टीईटी परीक्षा का पुरजोर विरोध करें और केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार जल्द ही संसद में कानून बनाकर इस परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करे। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के अध्यक्ष विकास चौहान ने बताया कि 2011 से पूर्व

नियुक्त शिक्षकों ने सभी मानकों को पूरा करके नियुक्ति प्राप्त की थी, फिर वे आज अयोग्य कैसे हो गए। महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष नीतू सिंह ने जोर देकर कहा कि महिला शिक्षिकाएं भी इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ हैं और टीईटी का विरोध करती हैं।एससी/एसटी टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह ने इसे मान-सम्मान की लड़ाई बताया और कहा कि सरकार जब तक विरोधी कानून नहीं बनाती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उर्दू वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष इमरान पाशा ने सरकार पर बेसिक शिक्षा को प्रयोगशाला बनाने का आरोप लगाया। जिला अध्यक्ष सौरभ सक्सेना ने

चेतावनी दी कि शिक्षकों के उत्पीड़न करने वाली सरकारों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री मुकेश चौधरी ने किया। इस अवसर पर हरिओम त्रिवेदी, डॉ प्रथी सिंह, विपिन पंघाल, विनोद कुमार गौतम,रामवीर सिंह, हीरा सिंह,पीतम सिंह, अनिल कुमार, जगवीर सिंह, धनीराम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेश कुमार, निर्देश कुमार,चरन सिंह,उज्जवल वर्मा, किवराज सिंह, रीता यादव, रेखा दिवाकर,मदनपाल, राकेश शर्मा, भुवनेश्वर शर्मा, महेश कुमार,प्रदीप भाटी, जितेंद्र चौधरी,गौरव नागर, जितेंद्र कटारिया, विपिन चौहान, विवेक चौधरी, हीरा सिंह होमपाल सिंह, इदरीस अली, ओम प्रकाश त्रिपाठी, मोहम्मद नदीम,खबर हसन, निजाम अली, मोहम्मद नौशाद, इमाम उर रहमान, इमरान अली, इरफान अली, विनोद कुमार गौतम, भूपेंद्र सिंह, द्वारिका सिंह, हरीराज सिंह, वीरेंद्र सिंह ,लोकेश आर्य, पंकज कुमार आर्य ,पवन कुमार, चरण सिंह, निशा, हिमानी, अर्चना पाठक, रजनी कश्यप, उर्मिला, पारुल शर्मा, संगीता सिद्ध,रेखा रानी, पूनम, सर्वेश पवार, ज्योति ,रश्मि चौधरी,मंजू सेन, आपूर्ति, निशा, सादिया ,पूनम, कुलदीप त्यागी, नीरज चौहान, सुबोध,रवि चौधरी, अरुण चौधरी, अमरपाल चौधरी, सत्येंद्र सिंह, अर्पित खंडेलवाल, उमेश सिद्ध,अजय सिद्ध, कर्मवीर सिंह,करणवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, देवेंद्र शर्मा,धर्मेंद्र शर्मा, मेहताबुद्दीन आदि मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस का संकल्प: ड्रग्स नेटवर्क पर होगा 'सर्जिकल स्ट्राइक', झुग्गी-झोपड़ियों में छुपे पैडलर्स से होगी शुरूआत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस प्रमुख ने राष्ट्रीय राजधानी को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें विशेष रूप से जेजे क्लस्टरों (झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों) में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने पर जोर दिया जा रहा है। दरअसल, यह स्थान नशीले पदार्थों की तस्करी और सेवन के लिए संवेदनशील माने जाते हैं। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जनवरी 2026 में अयोजित अपराध समीक्षा बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने स्पष्ट किया कि वर्ष के लिए बल की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक नशे की समस्या को समाप्त करना होगा। गोलछा ने सभी उपायुक्तों (डीसीपी) को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाली झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति और सेवन को समाप्त करने के लिए विस्तृत कार्य योजनाएं प्रस्तुत करें। अधिकारी ने कहा, "आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हमें नशे को हमारे युवाओं का भविष्य बर्बाद नहीं करने देना चाहिए। जेजे क्लस्टर विशेष रूप से संवेदनशील हैं और इनमें केंद्रित हस्तक्षेप की आवश्यकता है।" अधिकारी के अनुसार, डीसीपी को इन क्षेत्रों में सक्रिय ड्रग डीलरों और तस्करों की पहचान करने तथा उनकी आपराधिक स्थिति की समीक्षा करने को कहा गया है—चाहे वे गिरफ्तार हो चुके हों, जमानत पर हों या फरार हों। जहां कानूनी रूप से संभव हो, वहां निष्कासन कार्यवाही और नशीले पदार्थों और मनो-सक्रिय पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम (पीआईटीएनडीपीएस) अधिनियम, 1988 के तहत निवारक निरोध जैसे कदमों पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, "जोर केवल सड़क स्तर के तस्करों को गिरफ्तार करने पर नहीं है। हमें निर्देश दिए गए हैं कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ा जाए—स्रोत से लेकर वितरण नेटवर्क तक, दोनों पिछड़े और आगे के संबंधों पर काम करके।" पुलिस इकाइयों को विशेष एंटी-नारकोटिक्स टीमों के साथ निकट समन्वय करने तथा चिह्नित हॉटस्पॉट्स में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। डेटा विश्लेषण, मुखबिर नेटवर्क और तकनीकी खुफिया जानकारी का उपयोग दोहराव वाले अपराधियों तथा अंतरराज्यीय आपूर्तिकताओं को ट्रैक करने के लिए किया जा रहा है। प्रवर्तन उपायों के अलावा, आयुक्त ने निवारक पहुंच पर जोर दिया है। जिलों को जेजे क्लस्टरों, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों में जागरूकता अभियान आयोजित करने को कहा गया है ताकि किशोरों और युवा वयस्कों को नशीले पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके। अधिकारी ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण दोहरा है—तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लत को रोकने के लिए निरंतर सामुदायिक जुड़ाव। अंतिम लक्ष्य दिल्ली को नशा मुक्त बनाना है।" बता दें कि 16 फरवरी को बल के 79वें स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस प्रमुख ने कहा था कि वर्ष 2025 में दिल्ली पुलिस ने 6,144 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए और ड्रग तस्करी से जुड़ी 44 संपत्तियों को जब्त किया। इनमें से 29 संपत्तियों को उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद ध्वस्त किया गया।

3 चचेरी बहनों और चाची का गला कटा देख चीख पड़ा 10 का अंकित, कंबल में लिपटी औंधे मुंह पड़ी थीं चारों की लाश

बाहरी दिल्ली। समयपुर बादली थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुई महिला और उसकी तीन मासूम बेटियों की हत्या का पता एक 10 वर्षीय बच्चे से लगा। मुनचुन केवट का भतीजा अंकित रोज की तरह अपने आजादपुर मंडी जाने से पहले चाची अनीता की बेटियों को लेने उनके कमरे पर पहुंचा था। दरवाजा खोलते ही अंदर का दृश्य देखकर वह घबरा गया और शोर मचा दिया। अंकित की चीख सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। कमरे के अंदर अनीता (30) और पांच, चार और तीन वर्ष उसकी तीन बेटियां बिस्तर पर कंबल में लिपटी पड़ी थीं। चारों की गला रेतकर हत्या की गई थी। सुबह करीब आठ बजे पुलिस को सूचना दी गई। चाचा की बेटियों को

अकसर ले जाता था मंडी बताया जा रहा है कि अंकित आजादपुर मंडी जाने की तैयारी में था। अक्सर वह अपने चाचा-चाची की बेटियों को भी साथ ले जाता था। लेकिन इस बार दरवाजा खुलते ही जो मंजर सामने था, उसने पूरे परिवार और इलाके को झकझोर दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यदि अंकित समय पर कमरे तक नहीं पहुंचता तो घटना का खुलासा देर से हो सकता था, क्योंकि पड़ोसियों को रात में किसी तरह की हलचल या चीख-पुकार सुनाई नहीं दी। फरार चल रहा है पति, सीसीटीवी में जाते दिखा हत्या का शक अनीता के पति मुनचुन केवट (34) पर है, जो वारदात के बाद से लापता है। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के अनुसार, मंगलवार देर रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आशंका है कि इसी के बाद वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, पड़ोसियों और रिश्तेदारों का कहना है कि उन्होंने दंपती के बीच कभी गंभीर झगड़ा नहीं देखा। वारदात वाले दिन भी दोनों सामान्य और खुश नजर आ रहे थे तथा होली की खरीदारी की बात कर रहे थे। छह टीमें आरोपी पति की तलाश में जुटीं परिवार मूल रूप से बिहार के पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुकीम का रहने वाला है। मुनचुन आजादपुर में अदरक बेचने का काम करता है। उसकी तलाश में छह टीमें लगाई गई हैं और दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार में भी दबिश दी जा रही है।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामला: कोर्ट ने छह आरोपियों को दी जमानत, जज बोले- व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हक

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने पिछले महीने तुर्कमान गेट में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास तोड़फोड़ के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना के छह आरोपियों को जमानत दे दी है। एडिशनल सेशंस जज भूपिंदर सिंह ने मोहम्मद फैज, मोहम्मद अफ्फान, मोहम्मद इमरान, शहजाद, मोहम्मद इमरान और मोहम्मद फहीम को 50,000 रुपये के पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही रकम की एक-एक जमानत पर राहत दी। 'मुझे बेल एप्लीकेशन में दम लगता है' राज्य की ओर से एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव पेश हुए। आरोपियों की ओर से वकील एम असद बेग, मंजीत सैनी और अन्य पेश हुए। जज ने 25 फरवरी के एक ऑर्डर में कहा, "आरोपों की गंभीरता को संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिले पर्सनल लिबर्टी के फंडामेंटल राइट के साथ बैलेंस करते हुए और केस के पूरे फैक्ट्स और हालात को ध्यान में रखते हुए, खासकर उनकी उम्र, साफ बैकग्राउंड, जेल में रहने का समय, बेल पर रिहा हुए को-आरोपी के बराबर होने और इन्वेस्टिगेशन के लिए जरूरी न होने के आधार पर, मुझे बेल एप्लीकेशन में दम लगता है।" कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन द्वारा रिकॉर्ड पर रखे गए वीडियो सबूतों से आरोपियों की पहचान पक्की नहीं हो पाई, क्योंकि उनके चेहरे साफ तौर पर नहीं दिख रहे थे, और उनकी

पहचान का पता लगाने के लिए फोरेंसिक इन्वेस्टिगेशन अभी भी चल रही थी। आरोपियों को किस आधार पर मिला बेल? कोर्ट ने आरोपियों को घटना से जोड़ने वाले "मटेरियल की ध्यान से जांच" करने को कहा, यह देखते हुए कि उन्हें मौके से नहीं पकड़ा गया था, बल्कि इन्वेस्टिगेशन के दौरान बाद में गिरफ्तार किया गया था। "सिर्फ एक सभा में मौजूदगी, बिना किसी साफ मटीरियल के एक्टिव पार्टिसिपेशन या खुलेआम कामों को दिखाए, प्री-ट्रायल स्टेज पर लगातार जेल में रखने को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने कहा, "इस समय, मटीरियल ऐसे किसी व्यक्ति के होने को पक्के तौर पर साबित नहीं करता है।" पहले 12 आरोपियों को मिली थी जमानत इससे पहले, 17 फरवरी को, कोर्ट ने इस मामले में 12 आरोपियों को जमानत दे दी थी। कोर्ट ने इस मामले में बराबरी के सिद्धांत को मानते हुए कहा कि पहले के मामले से कोई "अलग करने वाली बात" नहीं थी, क्योंकि यह भी गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने और सोशल मीडिया पर मटीरियल फैलाने के ऐसे ही आरोपों से जुड़ा था। कोर्ट ने कहा, "जमानत का मकसद ट्रायल के दौरान आरोपी की मौजूदगी पक्की करना है," और यह भी कहा कि इस स्टेज पर सबूतों की डिटेल में जांच करने या मामले के मेरिट पर नतीजे दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा, "सिर्फ इसलिए जमानत देने से मना नहीं किया जा सकता कि जिस अपराध का आरोप है, उसके लिए कड़ी सजा है।" कोर्ट ने कहा कि ट्रायल से पहले हिरासत का मतलब सजा देना नहीं है, और इसलिए उसे "आरोप की गंभीरता को निजी आजादी के अधिकार के साथ बैलेंस करना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि किसी व्यक्ति को तब तक हिरासत में न रखा जाए जब तक कि न्याय के हित में ऐसी हिरासत की सच में जरूरत न हो।" कोर्ट ने कहा कि, स्थानीय होने के नाते, किसी ने कोई कोशिश नहीं की थी। आरोपियों पर कानून के प्रोसेस से बचने का दबाव है। कोर्ट ने कहा कि सबूतों से छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित करने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि जांच पूरी हो चुकी है, चार्जशीट फाइल हो चुकी है, और सभी गवाह पुलिस अधिकारी हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामला बढ़ने या पब्लिक ऑर्डर में गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं लगती, क्योंकि अब तक स्थिति सामान्य हो गई है। कोर्ट ने शर्त क्या रखा? कोर्ट ने बेल की शर्तों के तौर पर निर्देश दिया कि आरोपी अपने फोन हर समय लोकेशन सर्विस के साथ चालू रखें, घटना से जुड़ा कोई भी कंटेंट शेयर न करें, पब्लिक ऑर्डर में गड़बड़ी करने वाली किसी भी एक्टिविटी में हिस्सा न लें, भागें नहीं, या सबूतों से छेड़छाड़ न करें। 24 जनवरी को, एक अलग सेशन कोर्ट ने उबैदुल्लाह को बेल दे दी, जब 20 जनवरी का पहला बेल ऑर्डर दिल्ली हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था और सेशन कोर्ट को वापस भेज दिया था।

जिलाधिकारी ने किया विकासखंड सहित तहसील तथा थाना गुन्नौर का निरीक्षण

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा तहसील गुन्नौर एवं विकासखण्ड गुन्नौर एवं थाना गुन्नौर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम तहसील गुन्नौर का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में नवनिर्मित राजस्व निरीक्षक कक्ष का फीता काटकर शुभारंभ किया एवं पटल से संबंधित कार्यों के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय पूर्ति निरीक्षक का निरीक्षण किया एवं कार्यालय चकबंदी अधिकारी का निरीक्षण किया तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यालय को एक सप्ताह में व्यवस्थित रूप में तैयार किया जाए एवं साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप

वर्मा द्वारा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण किया तथा 3 वर्ष एवं 5 वर्ष से ऊपर के वाद के विषय में जानकारी प्राप्त की विरासत एवं धारा 67 से संबंधित रजिस्टर चेक किये एवं पुरानी फाईल चेक की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड गुन्नौर का निरीक्षण किया खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय को देखा तथा पुनर्निर्माण किये गये सहायक विकास अधिकारी कक्ष का निरीक्षण किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी द्वारा परिसर स्थित सड़क मरम्मत तथा जर्जर भवन के मूल्यांकन को लेकर आवश्यक दिशा

निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा थाना गुन्नौर का निरीक्षण किया गया भूमि विवाद रजिस्टर, अपराध रजिस्टर तथा जमानत रजिस्टर, मिशन शक्ति निरीक्षण, निरोधात्मक कार्यवाही रजिस्टर, काउंसलिंग रजिस्टर, एण्टी रोमियो रजिस्टर को चेक किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा शस्त्र लाइसेंस से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिनके शस्त्र जारी हैं उनमें कितने लोगों पर मुकदमे चल रहे हैं उसकी सूची सात दिवस में अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा थाना के एस आई रोहित द्वारा दादरी से गुम हुए बच्चा जोकि जनपद में आ गया था, सोशल मीडिया के माध्यम से उसके माता पिता का पता लगाया उसकी सराहना की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि थाना स्तर पर सकारात्मक समाचार जोकि घरों को जोड़ने से संबंधित हों या दो विवादों के समाधान के हों या फिर लापता को ढूंढने से संबंधित हों उससे संबंधित सकारात्मक समाचार को सोशलमीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाए । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, तहसीलदार गुन्नौर तथा खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमल कांत एवं संबंधित थानाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कड़कड़डूमा कोर्ट ने तीन आरोपियों को किया बरी, सबूतों के अभाव में फैसला

ईस्ट दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 के नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में तीन आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन आरोपियों के खिलाफ आरोपों को बिना किसी शक के साबित करने में नाकाम रहा। पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने का आरोप एडिशनल सेशंस जज प्रवीण सिंह के सामने सागर, देवेंद्र गौतम और अनमोल के खिलाफ केस की सुनवाई चल रही थी। उन पर दंगा, आगजनी, डकैती और पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। प्रॉसिक्यूशन ने दावा किया कि ये तीनों 25 फरवरी, 2020 को नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के सोनिया विहार पुलिस स्टेशन एरिया के मिलन गार्डन और आस-पास के इलाकों में हुई हिंसा के दौरान भीड़ का हिस्सा थे। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए रिकॉर्ड पर कोई सबूत नहीं था, और इसलिए, उन्हें शक का फायदा दिया गया। कोर्ट ने कहा कि चूंकि पूरा मामला सिर्फ वीडियो फुटेज पर आधारित था, जिसे कानूनी तौर पर सबूत के तौर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसलिए इसे सबूत नहीं माना जा सकता। ऐसे में, आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया।

प्रदूषण की निगरानी में भी नंबर वन है दिल्ली, CSE रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नीमली। देश की राजधानी न सिर्फ प्रदूषण के मामले में, बल्कि इसकी मॉनिटरिंग में भी देश का नंबर वन शहर है। छह नए सेंटर बनने के साथ, अब 46 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सेंटर हो गए हैं, जो सभी रियल-टाइम हैं। भारत के किसी दूसरे शहर में इतना बड़ा मॉनिटरिंग नेटवर्क नहीं है। दिल्ली की सिर्फ 3.5 परसेंट आबादी ही मॉनिटरिंग के दायरे में नहीं है। यह जानकारी सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE) के अनिल अग्रवाल एनवायरनमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में हो रहे तीन दिन के "अनिल अग्रवाल डायलॉग 2026" के दूसरे दिन एक प्रेजेंटेशन में सामने आई। हालांकि, "स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरनमेंट 2026" रिपोर्ट पर आधारित प्रेजेंटेशन में यह भी चिंता जताई गई कि राजधानी में ज्यादातर एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन या तो ग्रीन एरिया में हैं या किसी इंस्टीट्यूशन के कैंपस में हैं। इससे अदकची सही तस्वीर नहीं मिलती। दूसरी तरफ, इस प्रेजेंटेशन के मुताबिक, भारत की 1.4 बिलियन आबादी में से सिर्फ.15 परसेंट लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहाँ 10 ¹ के दायरे में रियल-टाइम एयर मॉनिटर लगे हैं। बाकी 85 परसेंट (लगभग 1.2 बिलियन लोग) ऐसे इलाकों में रहते हैं जहाँ एयर क्वालिटी मापने का कोई भरोसेमंद तरीका नहीं है। असमान मॉनिटरिंग नेटवक: एक बड़ा संकट उरए की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुमिता रॉयचौधरी के मुताबिक, एयर मॉनिटरिंग की यह कमी सिर्फ.जानकारी की कमी नहीं है, बल्कि गवर्नेंस में भी कमी है। अभी, भारत के 294 शहरों में 562 रियल-टाइम मॉनिटर हैं, लेकिन ये कुछ बड़े शहरों तक ही सीमित हैं। "हाइब्रिड नेटवर्क डिजाइन" अपनाने का सुझाव रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत को सिर्फ महंगे सरकारी मॉनिटर पर निर्भर रहने के बजाय "हाइब्रिड नेटवर्क डिजाइन" अपनाना चाहिए। इसमें सैटेलाइट डेटा और कम कीमत वाले सेंसर शामिल होने चाहिए। इसके अलावा, स्कूल और अस्पताल जैसे सेंसिटिव इलाकों में मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जेएनयू में वामपंथ समर्थक छात्रों के मार्च को रोकने पर तोड़ा गेट का ताला, छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति समेत कई हिरासत में

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में गुरुवार को उस समय तनाव फैल गया जब वामपंथी समर्थक छात्रों के मार्च को मुख्य द्वार पर दिल्ली पुलिस ने रोक दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से नाराज प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए गेट का ताला तोड़ दिया। स्थिति को देखते हुए परिसर के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। घटना के दौरान छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा सहित कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मौके पर दो से तीन हजार लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिससे कुछ समय के लिए हालात तनावपूर्ण हो गए। जेएनएसयू के चार पदाधिकारियों और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष नितिश कुमार को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। फिलहाल, परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

एआई समिट प्रदर्शन मामला: इंडियन यूथ कांग्रेस के तीन कार्यकर्ता पेश, पुलिस ने मांगी 5 दिन की रिमांड

नई दिल्ली। एआई समिट प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार तीन इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) कार्यकर्ताओं को बृहस्पतिवार को पटियाला हाउस स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मृदुल गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपितों की पांच दिन की पुलिस रिमांड की मांग की है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि आरोपित इस बात से पूरी तरह अवगत थे कि उनके अन्य साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके बावजूद वे छिपे हुए थे। पुलिस ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया और विदेशी प्रतिनिधि मौजूद थे व विरोध प्रदर्शन से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई। वहीं, बचाव पक्ष ने पुलिस की मांग का विरोध करते हुए कहा कि यह एक शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रदर्शन था। आरोपितों की ओर से दलील दी गई कि किसी प्रकार का हिंसा फैलाने वाला भाषण नहीं दिया गया, न ही किसी पुलिसकर्मी पर हमला हुआ। अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में हत्या या दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप नहीं हैं और यह राजनीतिक विरोध को निशाना बनाने की कार्रवाई है।

दिल्ली में 'स्पेशल 26': मेड ने मालिक के घर कराई नकली ED रेड; 350 CCTV से हुआ करोड़ों की लूट का खुलासा

साउथ दिल्ली। पुलिस ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक बुजुर्ग कपल के घर पर नकली रेड करने वाले घरेलू नौकर और साली को गिरफ्तार कर लिया है। एऊऑफिसर बनकर रेड करने वाले तीन आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, कपल ने 13 फरवरी को नकली ED रेड की खबर दी थी। ED के वकील ने किया नकली रेड का खुलासा एडिशनल DCP ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि घटना 11 फरवरी की है। रेड के दौरान, रिटायर्ड डॉक्टर उषा सभरवाल ने जल्दी से अपने पोते कुणाल सभरवाल को एक एक्स्ट्रा फोन से कॉल किया। कुणाल एऊ का वकील है। उसने नकली रेड का खुलासा किया। तब तक, आरोपियों ने सारा कैश, ज्वेलरी और महंगी घड़ियां एक टेबल पर जमा कर ली थीं। जब अलार्म बजा, तो आरोपी लगभग 4 लाख रुपये कैश और 6-7 महंगी घड़ियां लेकर भाग गए। CCTV फुटेज में एक नीली बलेनो कार न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी से निकलती हुई दिखी। लगभग 350 CCTV फुटेज की जांच करने के बाद, टीम वैशाली के सेक्टर 4 में एक घर पहुंची। घरेलू नौकरानी रेखा देवी की भूमिका भी संदिग्ध लगी। रेखा और पूजा अरेस्ट उसे ट्रेस करने पर पता चला कि वैशाली में जिस घर में टीम पहुंची थी, वह रेखा की ननद पूजा राजपूत का था। टीम ने घर पर रेड की और रेखा और पूजा को अरेस्ट कर लिया। घर से कैश, 6-7 महंगी घड़ियां, एक पिस्टल, ITBP डिप्टी कमांडेंट की नकली यूनिफॉर्म और कक्रमिली। टीम पूजा के पति प्रकाश कुमार समेत तीन आरोपियों की तलाश कर रही है, जिसने नकली ऑफिसर बनकर लूटपाट की थी। प्रकाश कुमार ITBP में कांस्टेबल है।

टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

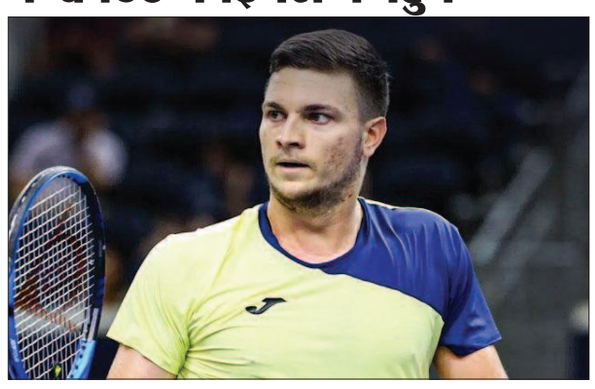

अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)। मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोस्ड गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेविया कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रूक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट

में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है। टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है। दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है। उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था। दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी। मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-। कर दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ। एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया। इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी। एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद खिचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट

का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी ज़िम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' को लेकर काफी उत्साहित हैं।

प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका 'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ 'द ब्लफ' के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'वाराणसी' को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि 'वाराणसी' उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 'वाराणसी' की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। 'वाराणसी' 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर;

खुद को बताया धनुष की बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है। बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चर्चाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, 'अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।' मैंने कहा, 'क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?' उन्होंने पूछा, 'लड़का कहां है?' मैंने कहा, 'बिल्कुल - लड़का कहां है?' अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए। पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है। वरना कुछ भी काम नहीं करता। आपको एक-दूसरे से जुड़ना होगा। परिवारों की सहमति भी जरूरी है। शादी सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच नहीं होती, यह दो परिवारों के बीच होती है। अगर सभी सहमत हैं, तो फिर शादी क्यों नहीं?

मृणाल ने की धनुष की तारीफ

पिछले कुछ वक्त से मृणाल का नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल लगातार इन खबरों को नकारती रही हैं। इस बीच पिछले दिनों एक इंटरव्यू में मृणाल ने धनुष की जमकर तारीफ की थी। खुद को धनुष की बड़ी फैन बनाते हुए मृणाल ने कहा, 'रायन', 'मारी', 'रांझणा', 'कैप्टन मिलर' और 'असुरन' जैसी फिल्में देखने के बाद मैं उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई हूं। मैं असुरन कई बार देख सकती हूं। वो एक इंस्टीट्यूट हैं। वो गीतकार, लेखक, डांसर, अभिनेता, निर्देशक, न जाने क्या-क्या हैं।

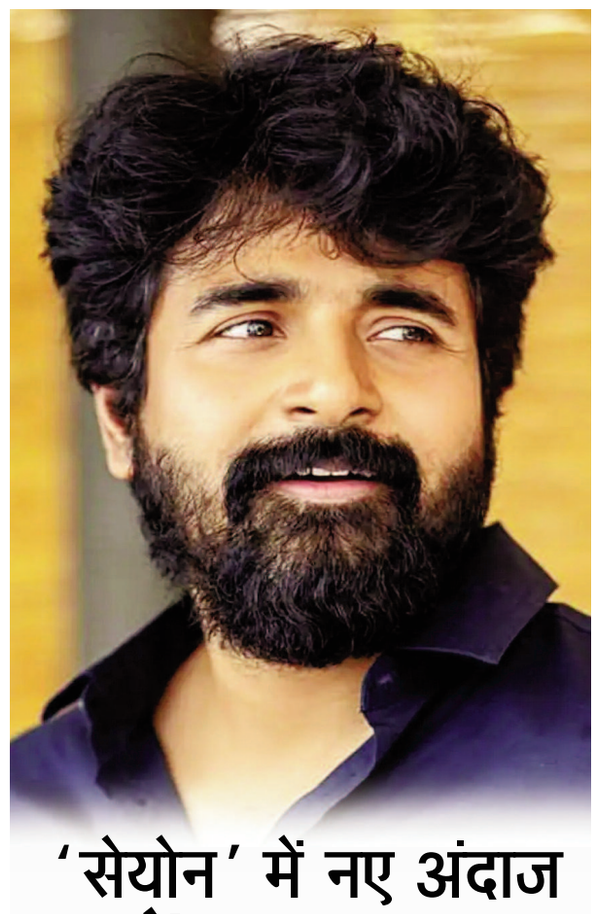

'सेयोन' में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

अभिनेता शिवकार्तिकेयन के 41वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म 'सेयोन' का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन के 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म 'सेयोन' का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

क्या है 'सेयोन' की कहानी

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, 'ये भगवान विरुमंडी हैं।' एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, 'ओजी वापस आ गया है'। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

'सेयोन' के निर्माता हैं कमल हासन

फिल्म का नाम 'सेयोन' है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म 'विरुमंडी' (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया।

यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है।

तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तरीके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया?

एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है, वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक हैं

अनुभव सिन्हा उन फिल्मकारों में से हैं, जिन्हें मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा कहा जाता है। उनकी फिल्म देखकर थिएटर से निकलने के बाद अंदर कुछ बदल सा जाता है। इस पर वे कहते हैं, 'अगर ऐसा है, भी तो मैं इस पर यकीन नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे मैं खुद को ज्यादा अहमियत देने लगूंगा। मैं मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा जैसे टैग को इग्नोर कर देता हूं, क्योंकि मेरा करियर काफी चलायमान रहा है।' वह तापसी पन्नू की तारीफ करते हुए कहते हैं, 'तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है। वो अपने निर्देशक को बहुत गौर से सुनती हैं, उसे फील करती हैं। वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक एक्ट्रेस हैं।'

25 की उम्र में फिल्ममेकर बनने का खयाल, 'मुल्क' ने बदली धारा

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अनुभव सिन्हा कहते हैं, 'मैंने अपने करियर शुरुआत लव स्टोरी 'तुम बिन' से की, फिर आगे चलकर मैंने एक्शन फिल्म 'दस' बनाई। उसके बाद मैंने सुपरहीरो फिल्म बनाई और फिर मैं सोशियो पॉलिटिकल फिल्मों की तरफ आकर्षित हुआ। हो सकता है, मैं कल को कुछ और बनाने लगूं। देखिए, बचपन में तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं फिल्ममेकर बनूंगा। 25 साल की उम्र में मुझे पता चला कि मैं फिल्मकार बनना चाहता हूं। मेरी एक ऐसी यात्रा रही, जहां फिल्ममेकिंग करियर था, मगर 'मुल्क' जैसी फिल्म ने काफी हद तक मेरे करियर की धारा मोड़ी। 'मुल्क' की आवाज ने जिस तरह से लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, उसी ने मुझे इस विधा की ओर आकर्षित किया। मेरे करियर में हर जॉनर की 5-6 साल की जर्नी रही, मगर सोशियो पॉलिटिकल जॉनर में मैं सबसे ज्यादा रुक गया। ये सफर दस साल से चला आ रहा है। यहां मेरा कंफर्ट जोन सबसे ज्यादा है।'

हमें बच्चों से वो बात करनी होंगी, बेटे को मर्द होने का फर्क समझाना होगा

हाल ही बच्चों के एक समूह द्वारा एक बच्ची की बलात्कार की खबर ने लोगों को हिलाकर रख दिया था। इस पर वह कहते हैं, 'ये वो बच्चे हैं, जिन्हें फिजिकल इंटिमेसी का सही अर्थ भी पता नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमारी अपने बच्चों से कुछ बातचीतें रह गई हैं। हमें अपने बच्चों से और ज्यादा बात करने की जरूरत है। खास तौर पर अपने बेटों से। उन्हें एक मर्द होने का फर्क समझना होगा। उन्हें अपने अधिकार और ख्वाहिशों की सीमा मालूम होनी चाहिए, क्योंकि अपराध तभी शुरू होता है, जब आप अपनी ख्वाहिशों का दायरा लांघ जाते हैं।'

मर्द के लिए औरत की तरह फील करना मुश्किल है

'अस्सी' के बारे में वह कहते हैं, 'इस फिल्म में मैं मानसिक रूप से बहुत खर्च हुआ हूं। मुझे औरत बनना पड़ता है। बहुत मुश्किल होता है एक मर्द के लिए औरत की तरह फील करना। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं है। औरत होना बहुत मुश्किल है। ये कैसी विडंबना है कि जिसे हमने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा किरदार माना है, जाने -अनजाने हमने उसका इस्तेमाल ही किया है। चाहे मां हो, बहन हो या पत्नी हो। मैं अपने दोस्तों से कहता हूं कि सड़क पर एक बार औरत बनकर चलने की कोशिश करो। वो दुनिया ही अलग है। एक बच्ची को बचपन से ही बता दिया जाता है कि वो अलग है। वो स्वच्छंद हो ही नहीं पाती।'

छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते

अनुभव सिन्हा अच्छा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस की इसी बानगी में आगे बताते हैं, 'अब जैसे मेरी 'भीड़' और 'अफवाह' को बहुत अच्छे रियूज मिले, मगर वो एक अलग दौर था। लोगों का थिएटर से नाता टूट गया था। वो फिल्में गलत दौर में आईं। छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।